सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 204 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 1 सितम्बर, 2026

मूल्य ₹ 3/-

जो अपने लिए जीते हैं वो मर जाते हैं, जो समाज के लिए मरते हैं वो जिंदा रहते हैं।
-अन्ना हजारे

वैभव नौ महीने में सात बार हुए... 7 | राजस्थान निकाय चुनाव : लगने... 3 | भाजपा की सोच दलित विरोधी... 2

राहुल गांधी पर हाथ डाल कर बुरी तरह फंसी भाजपा!

» हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की सभा के बाद शुद्धिकरण विवाद का मामला गरमाया

» कांग्रेस ने भारत की पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि पर उठाए सवाल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वाह रे राजनीति राहुल गांधी की एफआईआर की मांग को सरकार ने उनके ऊपर ही एफआईआर करा के पूरा कर दिया। लेकिन यह दांव बीजेपी सरकार के लिए उल्टा पड़ गया और एफआईआर करा के बीजेपी राहुल गांधी के जाल में फंस गयी। जो मुद्दा लगभग समाप्त हो गया था व न सिर्फ जिंदा हुआ बल्कि उस मुद्दे की तपिश पहले से ज्यादा बीजेपी को हलकान कर रही है।

मामला हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद हुए शुद्धिकरण विवाद का है सिजमें राहुल गांधी ने पूछा था कि खरगे की सभा के बाद आखिर किस मानसिकता के तहत शुद्धिकरण कराया गया और जिम्मेदार लोगों पर एफआईआर क्यों नहीं हुई। राहुल गांधी के इस सवाल के जवाब में जो पटकथा लिखी गयी उसमें एफआईआर तो दर्ज हुई लेकिन कैमरा घूमकर राहुल गांधी पर टिक गया। अब बताइए इसे संयोग कहें राजनीति कहें या फिर सवाल पूछोगे तो सवाल तुम्हारे खिलाफ ही लिख दिया जाएगा वाली नई व्यवस्था?

और यहीं से भाजपा की मुश्किल शुरू होती है

राहुल गांधी को घेरने की कोशिश में मामला अब सिर्फ राहुल बनाम भाजपा नहीं रहा। यह सवाल दलित सम्मान, जातिगत भेदभाव और संविधान की राजनीति के मैदान में जा पहुंचा है। कांग्रेस को इससे बड़ा राजनीतिक हथियार और क्या चाहिए था? उसे राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर मिल गयी उसे आंदोलन का मुद्दा मिल गया और सबसे बढ़कर उसे यह कहने का मौका मिल गया कि जिस मामले में कार्रवाई मांगने वाला नेता था कार्रवाई उसी के खिलाफ कर दी गयी यानी कहानी कुछ ऐसी है कि राहुल गांधी ने दरवाजा खटखटाया था जवाब में दरवाजा खुला जरूर लेकिन बाहर पुलिस खड़ी थी। अब भाजपा चाहे तो इसे राहुल गांधी की कानूनी मुश्किल बताए चाहे इसे राजनीतिक बयानबाजी का जवाब कहे लेकिन एक सवाल उसका पीछा नहीं छोड़ने वाला खरगे के कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण हुआ तो क्यों हुआ किसने कराया और उस पर क्या कार्रवाई हुई क्योंकि राहुल गांधी पर एफआईआर इस सवाल का जवाब नहीं है कि बल्कि ऐसा लगता है कि एफआईटार ने सवाल को और बड़ा कर दिया है और राजनीति में इससे खतरनाक रायता दूसरा नहीं होता जब आप विपक्षी नेता को चुप कराने के लिए कार्रवाई करें और बदले में विपक्ष को ऐसा मुद्दा मिल जाए जिसे वह अगले कई दिनों तक मुद्दे पर सवालों की बारिश करता रहे।

बैक फायर कर गयी एफआईआर

मजेदार बात यह है कि जिस घटना को लेकर राहुल गांधी सवाल उठा रहे थे वह एफआईआर के बाद गायब नहीं हुई उलटे और चमक गई। खरगे का नाम फिर चर्चा में आ गया हल्द्वानी फिर सुर्खियों में आ गया और शुद्धिकरण शब्द ने सोशल मीडिया पर फिर से ट्रेंड करने लगा। यानी जिस मुद्दे को शायद दो दिन की खबर बनकर शांत हो जाना चाहिए था एफआईआर ने उसे ऐसा एक्सटेंशन दे दिया कि अब कांग्रेस पूरे देश में इसे लेकर सड़क पर उतरने की तैयारी कर रही है। भाजपा ने राहुल गांधी पर हाथ रखा तो हाथ में राहुल कम और पूरा मुद्दा ज्यादा आ गया

पूरे देश में मुद्दा बन गया

घटना के बाद राहुल गांधी कह रहे थे कि अगर दलित नेता के कार्यक्रम के बाद ऐसा हुआ है तो जांच कीजिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई कीजिए। यूपी के चुनाव सिर पर है और यहा पहले से ही अखिलेश यादव का पीडीए पिछड़ा, दलित, अपलसंख्यक फार्मूले ने बीजेपी की नाक में दम कर रखा है ऐसे में शुद्धिकरण विवाद इस फार्मूले को और ज्यादा आगे ले जा रहा है। दूसरे दलित नेता भी इस तरह के आरोप सरकार पर लगा रहे है और हालिकया कई घटनाए बेचैनी पैदा करने वाली है। ऐसे में शांत होते इस मुद्दे को एफआईआर ने हवा दे दी है और ऐसा नैरेटिव बन रहा है कि दलितों के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

कांग्रेस ने भारत की पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि पर उठाए सवाल

कांग्रेस पार्टी ने मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के मद्देनजर वित्त वर्ष 26-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर सवाल उठाया है। कांग्रेस ने इसे अर्थव्यवस्था की अत्यंत विकृत तस्वीर और समय से पहले की खुशी बताया है। सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने देश की अर्थव्यवस्था की निराशाजनक तस्वीर पेश करते हुए इस वृद्धि पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि तिमाही जीडीपी के आंकड़े जिस तरह से रिपोर्ट किए गए हैं अर्थव्यवस्था की एक अत्यंत विकृत तस्वीर पेश करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये आंकड़े घरेलू और विदेशी दोनों ही क्षेत्रों में निजी निवेश की बेहद कमजोर भावना को नहीं दर्शाते हैं।

उपभोक्ता का विश्वास बेहद सुस्त है : जयराम

कांग्रेस के संचार मामलों के महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि उपभोक्ता विश्वास बेहद सुस्त है। रमेश ने आरोप लगाया कि यह कोविड महामारी के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है और नवंबर 2025 से लगातार नीचे की ओर जा रहा है। राज्यसभा सांसद के अनुसार घरेलू आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और उन्होंने कहा कि भारत के शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी चिंताजनक स्तर पर है। उन्होंने आगे कहा कि चीन के साथ लगातार बढ़ता व्यापार घाटा तबाही मचा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा जानबूझकर प्रोत्साहित किए गए कुछ बड़े समूहों द्वारा प्रमुख क्षेत्रों पर कब्जा करना हानिकारक प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के पांच सबसे धनी परिवारों की संपत्ति में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि वेतनभोगी कर्मचारियों के वास्तविक वेतन में गिरावट आई है। जयराम रमेश ने अपने पोस्ट में आगे कहा कि घरेलू बचत दरें घटी हैं और कर्ज रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा है कि यह प्रधानमंत्री द्वारा समय से पहले ही जश्न मनाने का मामला है। उनकी यह प्रतिक्रिया अप्रैल-जून तिमाही के आंकड़ों के जारी होने के बाद आई है जो भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमानित 7 प्रतिशत से अधिक हैं। यह पश्चिम एशिया संकट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और अन्य आर्थिक प्रभावों के बीच हुआ है।

भाजपा की सोच दलित विरोधी है : अखिलेश यादव

» राहुल पर हुई एफआईआर तो भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर बड़ा प्रहार किया है। उन्होंने उत्तराखंड की घटना को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की दलित विरोधी सोच के कारण उत्तराखंड में मंच धुलवाने जैसी घटना सामने आई और लोकसभामें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भाजपा की दलित विरोधी सोच ही उत्तराखंड में मंच धुलवाती है और नेता प्रतिपक्ष पर एफआईआर करवाती है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को घोर निंदनीय बताया। सपा अध्यक्ष ने भाजपा पर राजनीतिक निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने अपनी हार के 'पराजय-पत्र' पर खुद ही दस्तखत कर दिए हैं।

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि 27 में बीजेपी को

हराने के लिए जनता पूरी तरह से तैयारी है बस चुनाव का ही इंतज़ार कर रही है। बीजेपी ने जो झूठ का पुलिंदा दिखाया और बताया है, उन सारे पुलिंदों को उसे जनता 27 में निकालने का काम करेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी को ऐतिहासिक समर्थन मिलेगा। अवधेश प्रसाद ने बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए दावा किया कि भाजपा के दावों पर कभी विश्वास नहीं करना है. बीजेपी ने ही दावा किया था कि तीसरी अर्थव्यवस्था बनाएंगे, डॉलर के मुक़ाबले रुपए को मज़बूत करेंगे. बीजेपी ने ही दावा किया था कि डीज़ल और पेट्रोल के दाम को 40 से 50 के भीतर ले आएंगे लेकिन, आज क्या स्थिति है।

बीजेपी के दावों पर भरोसा न करें

सपा सांसद ने कहा कि बीजेपी ने ही दावा किया था कि मंहगाई कम करेंगे और किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी. स्वामीनाथन की रिपोर्ट भी आएगी. लेकिन 12 साल की केंद्र की सरकार ने और लगभग साढ़े नौ साल की उत्तर प्रदेश की सरकार ने कोई भी दावा पूरा नहीं किया है बीजेपी के दावों पर चर्चा करना अपना समय बर्बाद करना है बीजेपी के किसी दावे पर कोई भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सनातन के नाम पर आई थी और अब उसके ऊपर हमला करने से भी नहीं चूक रहे हैं. राम मंदिर चंदा चोरी की घटना का ज़िक्र कर कहा कि अब वो चंदा चोरी करने से नहीं चूक रहे हैं। मैं समझता हूँ सनातन का सबसे ज्यादा अपमान बीजेपी ने किया है। भाजपा के लोग षडयंत्र करते रहते हैं

राहुल गांधी पर एफआईआर पर कही ये बात

राहुल गांधी के खिलाफ हल्द्वानी में दर्ज हुई FIR को लेकर भी सपा सांसद ने बीजेपी पर पलटवार किया और कहा कि,ये तो भाजपा के लोग षडयंत्र करते रहते हैं, विपक्ष के जो लोग संघर्ष कर रहे हैं, उनके साथ ऐसी घटनाएं, न्याय या अन्याय, ये तो चल रहा है मगर विपक्ष के लोग घबराने वाले नहीं हैं. मुझे उम्मीद है कि राहुल गांधी भी नहीं घबराएंगे और हमारे नेता अखिलेश यादव के संघर्ष से तो ये पूरा देश उनका लोहा मान ही चुका है।

तेज प्रताप यादव के बयान से बिहार में मचा घमासान

» भाजपा और कांग्रेस ने दी प्रतिक्रिया, जेजेडी अध्यक्ष ने मंत्री संजय सिंह पर कई संगीन आरोप लगाए

» पासवान बोले- आरोप सच होने पर कार्रवाई होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनशक्ति जनता दल-जेजेडी के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने चिराग पासवान की पार्टी के विधायक और सरकार में मंत्री संजय सिंह पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। आरोपों पर चिराग पासवान भी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि आरोप सच होने पर कार्रवाई होगी। बीच आज (मंगलवार) बीजेपी और कांग्रेस ने भी इस पर रिएक्शन दिया है।

आरोपों पर बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सैद्धांतिक और वैचारिक राजनीतिक लड़ाई लड़ती है। चरित्र हनन करने के लिए हम लोग नहीं बैठे हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि अगर किसी के पास सबूत है तो सुसंगत धाराओं में शिकायत करे, सबूत दे, इससे जांच में दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। अगर किसी की संलिप्तता पाई जाएगी तो कानून के साथ समाज भी अपना काम करेगा।

आरोपों के ठोस प्रमाण दें : असित नाथ तिवारी

कांग्रेस नेता असित नाथ तिवारी ने आगे कहा, संजय सिंह पर लगे आरोपों के ठोस प्रमाण जब तक हमारे पास नहीं होंगे तब तक हम लोग टिप्पणी नहीं करेंगे। जिस के पास प्रमाण है वह सार्वजनिक करे, उसको तब कांग्रेस अपना स्टैंड रखेगी। इस पूरे मामले पर बिहार बीजेपी के प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने सलाह दी है। उन्होंने कहा कि राजनीति में व्यक्तिगत आरोपों से बचना चाहिए. खासकर तब जब आप एक-दूसरे के खिलाफ में चुनाव लड़ते हैं।

ये था मामला?

बता दें जेजेडी प्रमुख तेज प्रताप यादव महुआ से संजय सिंह को खिलाफ पिछले साल विधानसभा चुनाव लड़े थे, हार गए थे। तेज प्रताप ने हाल ही में एक्स पर पोस्ट कर मंत्री पर आरोप लगाया था कि उनके दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया गया था। उसके साथ शोषण के प्रयास का भी आरोप तेज प्रताप ने लगाया था। दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपये का लेन-देन किया गया था। आरोपों के बाद संजय सिंह ने इसे झूठा और निराधार बताया है। उन्होंने तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपये की मानहानि का नोटिस भेजा है।

सेक्टर बैठकों में हर वर्ग के प्रतिनिधि जुटाएं : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर फोकस करना शुरू कर दिया है। बसपा अब बूथ स्तर के बजाय सेक्टर स्तर पर ध्यान केंद्रित करेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी राज्य की बैठक में यह निर्देश दिए। पिछले एक वर्ष से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किया गया है। अब सेक्टर स्तर पर संगठन की चुनावी तैयारियों की परीक्षा होगी।

मायावती ने संभावित प्रत्याशियों को सेक्टर बैठकों में हर वर्ग के प्रतिनिधि जुटाने को कहा। प्रत्याशियों को प्रत्येक वर्ग से कम से कम 10 लोगों को लाना होगा। इससे सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकेगा। उन जगहों पर सेक्टर बनाने पर अधिक ध्यान दिया जाएगा जहां बूथ स्तर की तैयारियां पूरी नहीं हुई हैं। यह कम समय में चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने में मदद करेगा। साथ ही, प्रत्याशी की काबिलियत का भी आकलन हो सकेगा। मायावती ने बहुजन समाज की अधिक भागीदारी के लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश संगठन की पिछली दो बैठकों में मतदाता सूची की चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर के बाद मतदान केंद्र स्तर तक की कमेटियों के पुनर्गठन की समीक्षा की। कमियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश भी दिए। बदले राजनीतिक हालात के मद्देनजर चुनावी तैयारियों को तीव्र व प्रभावी बनाने का आह्वान किया ताकि बसपा पांचवीं बार सरकार बना सके। बहुजन समाज पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सितंबर माह में अपने अधिकांश टिकट फाइनल करने की तैयारी में है।

कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ किया प्रदर्शन

नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ एफआईआर के खिलाफ दिखी नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने शाम प्रदेश कांग्रेस मुख्यलाय से नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो धरने पर बैठ गए। कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पुलिस ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के मंच के शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस प्रकरण को उठाया तो उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। इस दौरान सांसद तनुज पुनिया, आराधना मिश्रा मोना, मुकेश सिंह चौहान, सुरेन्द्र यादव, संजय शर्मा, ममता चैधरी, अनामिका यादव, वेद प्रकाश त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। मार्च निकाल केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए राहुल गांधी पर दर्ज पर एफआईआर को रद्द करने की मांग की। चेतावनी दी कि बदले की भावना से हो रही कार्रवाई रोकी नहीं गई तो गांव-गांव आंदोलन शुरू करेंगे।

जमीन पर आइए अखिलेश भाई : ओम प्रकाश राजभर

» सुभासपा अध्यक्ष ने फिर दी सपा प्रमुख को चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक बार फिर हमला बोला है. राजभर ने अखिलेश यादव को जमीन पर उतरकर जनता के बीच आने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि सिर्फ एसी कमरे में बैठकर प्रेस कॉन्फ्रेंस और सोशल मीडिया

के जरिए चुनाव नहीं लड़ा जा सकता।

ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा, अखिलेश भाई, कब तक ये हवाबाजी चलती रहेगी। एसी और पीसी से ही चुनाव लड़ लेंगे? एसी कमरे में बैठ कर पीसी करके चुनाव लड़ेंगे? उन्होंने आगे कहा, जमीन पर आइए महाराज। आइये दो-दो हाथ हो जाए एकतरफा चुनाव में मजा नहीं आता है. आप सीधे जनता का सामना करने में क्यों घबरा रहे हैं? पुराने पाप याद आ जाते हैं क्या?। राजभर ने अखिलेश यादव के पुराने कार्यकाल को लेकर भी तीखा हमला किया. उन्होंने कहा, आपको पता है कि अपने कार्यकाल से आपके कार्यकर्ताओं के घर की महिलाओं को भी डर लगता है. यकीन ना हो तो किसी कार्यकर्ता के घर की महिला से बात कर लीजिएगा। सुभासपा अध्यक्ष ने अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए 12 से 17 के कार्यकाल को लेकर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा, दंगा, अपराध, भ्रष्टाचार, लूट-खसोट, महिलाओं के खिलाफ अपराध के ऐसे अनेक उदाहरण हैं कि जिन्हें याद करके रूह कांप जाती है, लगता है कि 12-17 के बीच उत्तर प्रदेश में सरकार थी ही नहीं। अंत में राजभर ने कहा, 10 साल हो गए लेकिन लोग आपके विनाशकारी कार्यकाल को भूले नहीं हैं घर में रहिए, सुरक्षित रहिए, जय भारत, जय श्रीराम, जय श्री कृष्ण, जय महाराज सुहेलदेव।

राजस्थान निकाय चुनाव : लगने लगे दांव

भाजपा पूरी तैयारी में जीत को लेकर निश्चिंत

- कांग्रेस ने किए बड़े रणनीतिक बदलाव
- कांग्रेस जिलों में भेजेगी सिंबल
- आप ने भी मोर्चा संभाला, बसपा व बाप भी तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में निकाय चुनाव का विगुल बज चुका है। सभी पार्टियों ले कमर कस लिया है। जहां सत्ता में बैठी भाजपा आश्वस्त है कि शहरों व पंचायतों में तो उसे ही वोट मिलेंगे वहीं कांग्रेस भाजपा को झटका देने की तैयारी कर रही है। वहीं आप, बाप, बसपा समेत अन्य दल भी ताल ठोंकने की तैयारी कर रहे हैं। प्रचार शुरू होने से पहले के ये तीन दिन सबसे ज्यादा अहम है क्योंकि टिकट बंटवारे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 31 अगस्त तक निर्वाचन भरे जा सकेंगे।

इसके बाद आधिकारिक रूप से पार्टियां प्रचार में जुट जाएंगी। कांग्रेस आज जिलों में सिंबल भेजेगी। रणनीति यह है कि सूची जारी करने के बजाय सीधे प्रत्याशी के हाथ में पार्टी का सिंबल थमाया जाए ताकि बगावत कम से कम हो। वहीं राजस्थान में आगामी पंचायती राज और शहरी निकाय चुनावों के बीच स्वर्ण समाज से जुड़े आंदोलन ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। राष्ट्रीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कौशिक ने बातचीत के दौरान सरकार और राजनीतिक दलों पर तीखा हमला बोलते हुए एक कथित आंदोलन को 'सरकार द्वारा प्रायोजित कॉकरोच पार्टी' करार दिया। उधर जयपुर नगर निगम चुनाव में कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है, क्योंकि आम आदमी पार्टी राजस्थान की शहरी राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराना चाहती है। पार्टी से उम्मीद की जा रही है कि वह अपने चुनाव प्रचार में स्वच्छता, सीवरेज, पेयजल, सड़क की स्थिति और स्थानीय बुनियादी ढांचे सहित रोजमर्रा की नागरिक चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करेगी। निकाय चुनावों में कांग्रेस और बीजेपी में दावेदारों की फोज खड़ी है। ऐसे में सूची जारी होने से बगावत का बड़ा खतरा बन रहता है। शहरी चुनाव पूरी तरह स्थानीय समीकरण पर निर्भर रहते हैं इसलिए बागी निर्दलीय खड़े होकर भी खेल बिगाड़ सकते हैं। कांग्रेस की इस रणनीति से टिकट को लेकर आखिरी वक्त तक सस्पेंस बना रहेगा। दावेदारों को यह पता नहीं चलेगा कि पार्टी ने किस नाम को अंतिम मंजूरी दी है, जब तक जिला संगठन की ओर से उन्हें इसकी सूचना नहीं दी जाती।

कांग्रेस में इस बार सूची नहीं, सीधे प्रत्याशी के हाथ पहुंचेगा टिकट

कांग्रेस आज से जिलों में टिकटों के लिए सिंबल भेजने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इसे कांग्रेस के बड़े रणनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि मुख्यालय से सूची जारी करने के बजाय कांग्रेस सीधे जिलों तक सिंबल पहुंचाने का बड़ा कदम उठा रही है। यानी इस बार कांग्रेस की ओर से पहले से ऐसी कोई सूची जारी नहीं होगी, जिसमें यह बताया जाए कि किस वार्ड से किस उम्मीदवार को टिकट दिया गया है। प्रत्याशी को पार्टी के फैसले की जानकारी उसी समय होगी, जब जिला स्तर से उसे सिंबल सौंपा जाएगा।

डोटासरा बोले- कार्यकर्ताओं के परिवारों को डराया जा रहा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नगरीय निकायों के चुनाव में राज्य सरकार और सत्तारूढ़ दल पर प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से अधिकारियों पर दबाव बनाकर मनपसंद उम्मीदवारों के आवेदन पत्र मांगे जा रहे हैं। डोटासरा ने सोशल मीडिया पर कहा कि सत्ता कभी स्थायी नहीं रहती और वक्त आने पर हर अनुचित कार्य का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि राज्य में कैसी लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के अधिकारियों पर अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है और कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे कार्यकर्ताओं के परिवारों को भी डराने की कोशिश हो रही है। इस प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस का भाजपा पर आरोप

निकाय चुनाव में टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस ने एक और अहम गाइडलाइन लागू की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्पष्ट किया है कि दावेदार जिस वार्ड का निवासी है, वह उसी वार्ड से टिकट के लिए आवेदन कर सकेगा। दूसरे वार्ड से की गई दावेदारी पर पार्टी विचार नहीं करेगी। अब देखना होगा कि यह रणनीति पार्टी के भीतर असंतोष को कम करने में कितनी कारगर साबित होती है और जिलों में टिकट वितरण के बाद कांग्रेस कितनी तेजी से अपने उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में सक्रिय कर पाती है।

जिला अध्यक्ष और ऑब्जर्वर के हाथ में टिकट की कमान

कांग्रेस मुख्यालय से आज जिलों को सिंबल भेजे जाएंगे। इसके बाद जिला स्तर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष और विधानसभा ऑब्जर्वर को सिंबल संबंधित प्रत्याशियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों संभावित उम्मीदवारों के सीधे संपर्क में रहेंगे। पार्टी के फैसले के बाद प्रत्याशी को जिला स्तर पर इसकी जानकारी दी जाएगी और उसे पार्टी सिंबल उपलब्ध कराया जाएगा।

विजय कौशिक का बड़ा आरोप- सरकार प्रायोजित कॉकरोच पार्टी चला रही

राजस्थान में आगामी पंचायती राज और शहरी निकाय चुनावों के बीच स्वर्ण समाज से जुड़े आंदोलन ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। राष्ट्रीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कौशिक ने बातचीत के दौरान सरकार और राजनीतिक दलों पर तीखा हमला बोलते हुए एक कथित आंदोलन को 'सरकार द्वारा प्रायोजित कॉकरोच पार्टी' करार दिया। कौशिक ने आरोप लगाया कि जिस आंदोलन में कथित तौर पर देशविरोधी, मनुवाद विरोधी और ब्राह्मण विरोधी नारे लगाए गए, उसके खिलाफ सरकार ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की, जबकि स्वर्ण समाज की ओर से यूजीसी के प्रावधानों के विरोध में चल रहे आंदोलन पर सख्ती की जा रही है। कौशिक ने कहा कि एक व्यक्ति के बाहर से आकर एयरपोर्ट पर अनुमति लेने और इसके बाद भूख हड़ताल पर बैठने से लेकर कई दिनों तक आंदोलन जारी रहने तक सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं। उनके अनुसार, उस दौरान कथित तौर पर कई प्रकार के विवादित नारे लगाए गए, लेकिन सरकार ने संबंधित लोगों के खिलाफ वैसी कार्रवाई नहीं की, जैसी स्वर्ण समाज के आंदोलनकारियों के खिलाफ की जा रही है।

संगठनात्मक तैयारी और समन्वयकों की तैनाती

दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी ने निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। पार्टी ने राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव समन्वयकों की नियुक्ति की है। यह समन्वयक जमीनी स्तर का फीडबैक जुटाने के साथ-साथ स्थानीय कार्यकर्ताओं और दावेदारों के बीच बेहतर समन्वय कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी ने जयपुर में 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

आम आदमी पार्टी (आप) ने जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए 11 वार्डों में अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। उसने कांग्रेस और भाजपा से पहले ही अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया चैनलों के जरिए नामों की घोषणा की। पार्टी का कहना है कि वह पूरी तैयारी के साथ जयपुर के निकाय चुनावों में उतर रही है। उसका मकसद स्थानीय मुद्दों को उठाना, पारदर्शी राजनीति को बढ़ावा देना और शहरी प्रशासन को बेहतर बनाना है। पार्टी की पहली लिस्ट में समाज के अलग-अलग वर्गों के उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें स्थानीय समाजसेवी और एक्टिविस्ट भी हैं। इस निकाय में 2,433,121 रजिस्टर्ड वोटर हैं। जयपुर में दूसरे चरण में 11 सितंबर को मतदान होनी है। नामांकन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो रही है और 31 अगस्त तक चलेगी। नामांकन की अवधि की शुरुआत में ही उम्मीदवारों की घोषणा करके आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों को वोटरों से जुड़ने, स्थानीय कैंपेन आयोजित करने और घर-घर जाकर संपर्क करने के लिए अधिक समय दिया है। आमतौर पर, कांग्रेस और भाजपा जैसी बड़ी पार्टियां नॉमिनेशन की आखिरी तारीख के करीब तक उम्मीदवार चुनती हैं। इसलिए, जल्दी घोषणा करने से उम्मीदवारों को जमीनी स्तर पर लोगों को जोड़ने के लिए अधिक समय मिल सकता है। आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकारों की सफलता के आधार पर राजस्थान के शहरी स्थानीय निकायों में अपनी राजनीतिक पैठ बढ़ाना चाहती है। जयपुर नगर निगम चुनाव में कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है, क्योंकि आम आदमी पार्टी राजस्थान की शहरी राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराना चाहती है। पार्टी से उम्मीद की जा रही है कि वह अपने चुनाव प्रचार में स्वच्छता, सीवरेज, पेयजल, सड़क की स्थिति और स्थानीय बुनियादी ढांचे सहित रोजमर्रा की नागरिक चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नेपाल में आई त्रासदी से लेना होगा सबक

“ इस आपदा को अब भारत के लिए एक बड़ी चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। इसकी वजह है चीन का मेदोग या मोटुओ हाइड्रोपावर स्टेशन, जिसका निर्माण यारलुंग त्सांगपो नदी पर किया जा रहा है। यही नदी भारत में प्रवेश करते ही अरुणाचल प्रदेश में सियांग और आगे असम में ब्रह्मपुत्र कहलाती है।

नेपाल में आई त्रासदी ने पूरी दुनया को एक सबक भी दिया है। हम अगर प्रकृति के साथ नरमी नहीं बरतेंगें तो एसी ही तबाही आएगी। मानव विकास व उसकी आवश्यकताओं ने पहाड़ों, जंगलों से लेकर समुद्र तक को नुकसान पहुंचाया है। पहाड़ों पर बिजली घर, सिंचाई की बड़ी परियोजनाओं के चक्कर में हम पहाड़ों को काट रहे हैं जो उन्हें कमजोर कर रहा ऐसे में भूकंप या तेज बारिश के चलते वो दरक रहे और अपनी जद में आने वाले रिहाइश लेकर हर उस चीज को तहसनहस कर रहे हैं जो उसके लिए बाधा बन रहा है। इस आपदा को अब भारत के लिए एक बड़ी चेतावनी के रूप में देखी जा रही है। इसकी वजह है चीन का मेदोग या मोटुओ हाइड्रोपावर स्टेशन, जिसका निर्माण यारलुंग त्सांगपो नदी पर किया जा रहा है। यही नदी भारत में प्रवेश करते ही अरुणाचल प्रदेश में सियांग और आगे असम में ब्रह्मपुत्र कहलाती है।

नेपाल में ग्लेशियर ढहने से आई विनाशकारी बाढ़ ने सिर्फ हिमालय की नाजुक भौगोलिक संरचना को उजागर नहीं किया है, बल्कि भारत की सीमा से सटे तिब्बत में चीन के निर्माणाधीन 60 हजार मेगावाट के मेदोग हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को लेकर भी खतरे की घंटी तेज कर दी है। नेपाल में सैंकड़ों लोगों की मौत और हजारों लोगों के लापता होने की खबरों के बीच अब यह सवाल और गंभीर हो गया है कि दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक हिमालय में इतना विशाल बांध आखिर कितना सुरक्षित है। नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में आई इस आपदा को 4.4 तीव्रता के भूकंप से जोड़कर देखा गया था। लेकिन अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के नए विश्लेषण ने तस्वीर बदल दी। यूएसजीएस के अनुसार, अतिरिक्त भूकंपीय आंकड़ों और उपग्रह तस्वीरों के अध्ययन से पता चला कि यह भूकंप नहीं था, बल्कि ग्लेशियर के ढहने और उसके बाद मलबे के तेज बहाव से उत्पन्न कंपन थे। ऊंचाई वाले इलाके से टूटकर नीचे आया बर्फ और मलबे का विशाल हिस्सा देखते ही देखते विनाशकारी जलप्रवाह में बदल गया और नेपाल के रसुवा तथा धादिंग जिलों में भारी तबाही मचा दी। सबसे बड़ा सवाल इसकी विशालता नहीं, बल्कि इसका स्थान है। मेदोग परियोजना उस हिमालयी क्षेत्र में बनाई जा रही है जहां भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों का टकराव होता है। जुलाई में चीन की सरकारी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण व्यवस्था से जुड़े भूवैज्ञानिकों के एक अध्ययन ने भी परियोजना स्थल के नीचे सक्रिय पाइझेन फॉल्ट होने की बात कही थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नालों पर रोक से ही साफ होगी यमुना

ज्ञानेंद्र रावत

देश में पुण्यदायिनी नदी गंगा के बाद दूसरी प्रमुख नदी यमुना का प्रदूषण चर्चा का विषय बना हुआ है। उसका कारण 85 फीसदी से ज्यादा प्रदूषण बिना ट्रीट किए घरेलू कचरे और औद्योगिक रसायनयुक्त अपशिष्ट है। यदि दिल्ली सरकार की मानें तो यमुना की सफाई अलग-अलग परियोजनाओं के माध्यम से नहीं, वरन दिल्ली के पूरी सीवर इन्फ्रास्ट्रक्चर में व्यापक बदलाव के जरिए की जा रही है। सरकार का मानना है कि यमुना तब साफ होगी जब हर घर सीवर नेटवर्क से जुड़ा होगा। पहले देश में बहने वाली सबसे लंबी नदी गंगा को लें। मोक्षदायिनी मानी जाने वाली नदी गंगा अपने मायके उत्तराखंड से ही प्रदूषित होनी शुरू हो जाती है। इसका खुलासा कैग की रिपोर्ट कर चुकी है। साल 1985 से लेकर आज तक गंगा की प्रदूषण - मुक्ति हेतु 42,000 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी है।

गंगा एक्शन प्लान पर शुरू में ही 1,200 करोड़ की राशि खर्च की गई थी। पर हालात जस के तस हैं। वहीं अब दिल्ली की यमुना नदी तमिलनाडु की कूवम नदी सहित देश की सबसे प्रदूषित नदी है। उसकी सफाई पर अब तक पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल 5,536 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी है। यमुना संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर पहले ही लगभग 1,951 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी थी। इसके अलावा दिल्ली सरकार के ग्रीन बजट के तहत दिल्ली जल बोर्ड को 6,485 करोड़ रुपये की राशि दी गई। हाल-फिलहाल में ही दिल्ली सरकार ने यमुना की सफाई के लिए 4,500 करोड़ की राशि की मंजूरी दी है। यही नहीं, यमुना के जल को साफ करने के साथ-साथ नजफगढ़ ड्रेन की सफाई के लिए 1,000 करोड़ की परियोजनाओं को दिल्ली सरकार ने और मंजूरी दी है। इसके बावजूद हकीकत में यमुना आजकल गंदगी और दुर्गंध से सड़ रही है। आज यमुना नदी, सीवेज और कारखानों के रासायनिक अपशिष्ट से इतनी विषैली है कि सभी प्राणियों और जलजीवों की सेहत के लिए भी जानलेवा साबित हो रही है। यहां तक कि यमुना की मछलियां भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो रही हैं।

शोध के अनुसार, यहां की मछलियां खाने से या इसका पानी पीने से हार्मोनल असंतुलन, पाचन तंत्र में सूजन और कोशिकाओं को भारी नुकसान हो सकता है। इसका अहम कारण मछलियों के शरीर में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा का अत्यधिक पाया जाना है। यमुना के जल में जहरीले रसायनों की बात करें तो पानी में अमोनिया की सीमा अधिकांश एसटीपी को भी बाधित करती है। बीओडी का स्तर स्वीकार्य सीमा से

अधिक है और घुलित ऑक्सीजन का स्तर अक्सर 2 मिलीग्राम प्रति लीटर से भी कम होने से जलीय जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बना हुआ है। वहीं, मानव और पशु मल-मूत्र से आने वाले बैक्टीरिया का स्तर सीमा से 32,000 गुना से भी ज्यादा है। दरअसल, कारखानों और सीवेज के जरिए नदी में आने वाले अमोनिया और फॉस्फेट जैसे रासायनिक तत्व जहरीले झाग बनाते हैं। इससे सांस लेने में दिक्कत आती है, गले में सूजन व संक्रमण भी होता है। वहीं पानी में आये क्रोमियम, सीसा, तांबा और अन्य धातुएं शरीर में पहुंचकर तंत्रिका तंत्र को कमजोर करती हैं। ये कैंसर, किडनी तथा लीवर जैसे भयावह रोग की वजह बनती हैं। यदि राजधानी दिल्ली के 22 किलोमीटर इलाके की ही बात करें तो यमुना अपनी बदहाली की कहानी खुद-ब-खुद बयां करती है। यहां का जल फीकल कोलिफॉर्म, लेड जैसी भारी धातुओं व डिटर्जेंट से इतना प्रदूषित है कि इसके संपर्क में आने से लोग कैंसर, त्वचा रोग, सांस, पेट के संक्रमण, लीवर, तंत्रिका तंत्र आदि गंभीर रोगों का शिकार हो रहे हैं। देश का सुप्रीम कोर्ट नौ साल पहले ही आदेश दे चुका है कि नदियों में शोधन के बगैर सीवेज न बहाया जाए। इसके बावजूद ना राज्य सरकारों पर इसका कोई असर पड़ा, ना ही सीवेज निस्तारण करने वाली एजेंसियों पर कि वे इस मामले पर कारगर कदम उठातीं। यमुना तभी साफ हो सकती है जबकि उसमें गिरने वाले नालों के प्रदूषित पानी को रोका जाए। लेकिन हकीकत यह कि देश में यमुना ही नहीं, मोक्षदायिनी गंगा सहित तकरीबन चार सौ से अधिक नदियों में सीवेज का गंदा पानी 1,385 से भी ज्यादा गंदे नालों के जरिए बहाया जाता है। ऐसे मामलों में बीते वर्षों में बेतहाशा बढ़ोतरी देखी गई है।

यमुना को विषाक्त करने में नजफगढ़ और शाहदरा के नालों की अहम भूमिका है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आकर इसमें गिरने वाले नालों का योगदान भी यमुना को प्रदूषित करने में कम नहीं। दिल्ली शासन-प्रशासन के दावे के अनुसार, यमुना की सफाई हेतु आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और इसमें मिलने वाले नालों पर विकेंद्रित सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) लगाने की योजना बनाई गई है। 13 डीएसटीपी लगाए जाने हैं। हालांकि, जब तक हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आकर यमुना में गिरने वाले नालों की सफाई नहीं होगी, उन पर अंकुश नहीं लगेगा, तब तक यमुना की सफाई की उम्मीद बेमानी है।

वीरता बलिदान के लिए राष्ट्र ने दिया सम्मान

मधुरेंद्र सिन्हा

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर सीआरपीएफ ने कुल 86 पदक जीतकर एक नया रिकॉर्ड बना दिया। उसे केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में सबसे अधिक कुल 86 वीरता और सेवा पदक प्राप्त हुए। उसे 24 वीरता पदक, 5 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 57 सराहनीय सेवा पदक मिले। झारखंड में अप्रैल 2025 में चलाए गए चुनौतीपूर्ण नक्सलवाद-विरोधी अभियान के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाने के लिए 209वीं कमांडो बटालियन फॉर रिजाल्यूट एक्शन (कोबरा) के डिप्टी कमांडेंट अंजनी कुमार और कांस्टेबल दीपक साह को शौर्य चक्र के लिए चुना गया। कीर्ति चक्र शांतिकाल में दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। 24 वीरता पदक 2024 में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी दो अभियानों और मणिपुर में उग्रवादियों के खिलाफ सफल अभियान के लिए मिले।

जब वीरता, शौर्य और बलिदान की बात की जाती है, तो हमेशा भारतीय सेना की चर्चा होती है, लेकिन हमारे अर्धसैनिक बल भी किसी से कम नहीं हैं। चाहे कश्मीर हो, नॉर्थ-ईस्ट हो या फिर छत्तीसगढ़ और ओडिशा, हर ओर जहां आंतरिक सुरक्षा का मामला उठता है, वहीं-वही सीआरपीएफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और अपनी वीरता दिखाई है। 'लाल आतंकवाद' के खात्मे में इसकी बड़ी भूमिका रही है। हाल ही में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन-209 ने एक करोड़ रुपये के इनामी, भाकपा केंद्रीय कमेटी के सदस्य मिसिर बेसरा को गिरफ्तार किया। मिसिर बेसरा पोलित ब्यूरो का आखिरी सदस्य था और उस पर कुल 2.20 करोड़ रुपये का संयुक्त इनाम था। उस पर झारखंड, बंगाल और ओडिशा में 175 से भी अधिक मामले दर्ज थे। आज झारखंड ही नहीं, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में नक्सलवाद अतीत का दुस्वप्न बन चुका है और वहां के स्थानीय निवासी शांति से रह रहे हैं। अपने घर से सैकड़ों मील दूर घने जंगलों में, जहां पानी की एक बूंद भी मयस्सर नहीं होती, कठिन से कठिन परिस्थितियों में रहते हुए उन्होंने लगभग अदृश्य उग्रवादियों से लोहा लिया और अंतत: सफल हुए। इस साल जुलाई में सीआरपीएफ की स्थापना के 88 साल पूरे हो गए।

इन वर्षों में जब भी इसकी आवश्यकता पड़ी है, इसने अपना शौर्य दिखाया है और बलिदान भी दिया है। इन जांबाज जवानों और अधिकारियों के बलबूते ही गृह मंत्री ने यह घोषणा की थी कि 31 मार्च, 2026 तक सशस्त्र नक्सल आंदोलन समाप्त हो जाएगा। यह संभव भी हुआ और नक्सलवादियों की कमर तोड़ दी गई। हाल के वर्षों में इस बल ने और अधिक चुस्ती-फुर्ती दिखाई और बड़े ऑपरेशन किए। गृह मंत्री शाह ने नक्सल-विरोधी अभियानों के लिए इस बल का सशक्तीकरण किया। इसे आधुनिकतम हथियार दिलाए, निगरानी के उपकरण जैसे ड्रोन और संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध कराए। समुचित इंटेलिजेंस की व्यवस्था करवाई तथा संबंधित राज्यों के पुलिस बलों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित किया।

सीआरपीएफ की कोबरा बटालियनों ने कई ऐतिहासिक ऑपरेशनों को अंजाम दिया, जैसे— ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट, ऑपरेशन ऑक्टोपस, ऑपरेशन डबल बुल और ऑपरेशन चक्रबंधा, जिनसे माओवादियों की शक्ति लगातार क्षीण होती गई। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे खतरनाक अभियान में 27 खूंखार नक्सली मारे गए। पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी को अपने उन अड्डों को छोड़कर भागना पड़ा, जहां वे वर्षों से जमे बैठे थे। जवानों ने अपनी वीरता दिखाते हुए और जान पर खेलते हुए दुर्गम इलाकों जैसे बुढ़ा पहाड़, पारसनाथ, बरमसिया, चक्रबंधा, कारेगुट्टालु और अबूझमाड़ पर फिर से कब्जा कर लिया। इन इलाकों में दशकों से नक्सलियों का कब्जा था और वहां तक पहुंचना दुष्कर था। इनमें उनका सबसे बड़ा कमांडर नंबाल्ला केशव राज उर्फ बसवराजू भी था, जो सीपीआई (माओवादी) का महासचिव था और उस पर 1.5 करोड़ रुपये का इनाम था। इसके अलावा सीआरपीएफ ने कई अन्य शीर्ष कमांडरों को भी मार गिराया, जिनमें पातिराम मांझी, गणेश उल्के और मिलिंद आदि शामिल थे। इनके मारे जाने से माओवादियों में नेतृत्व का संकट खड़ा हो गया और बड़े पैमाने पर उनके काडरों ने छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में आत्मसमर्पण कर दिया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए गृह मंत्रालय ने काफी काम किया।

वर्ष 2014 के बाद इन इलाकों में 594 पुलिस स्टेशन बनाए गए, 408 सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए और 12,211 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया ताकि आवागमन सहज हो सके। इसके अलावा, संचार तंत्र को मजबूत किया गया ताकि संपर्क बना रहे। गांवों में स्कूल, पोस्ट ऑफिस, नजदीक में बैंक और आईटीआई आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे ग्रामीणों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा। गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ के जवानों और अधिकारियों के कल्याण के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। इसके तहत उन्हें आयुष्मान सीएपीएफ, ई-आवास पोर्टल, सीएपीएफ पुनर्वास तथा कल्याण और पुनर्वास बोर्ड की सुविधाएं दी गई हैं। इसके अलावा, उनके और उनके परिवार के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य संबंधी बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्हें वित्तीय रूप से मजबूत बनाने के लिए भी कई योजनाएं बनाई गई हैं, जो सुचारु रूप से चल रही हैं।

फेशवॉश

सेंसिटिव स्किन

जिन लोगों की संवेदनशील त्वचा होती है, उन्हें जल्दी जलन और रिएक्शन हो सकता है। ऐसे लोगों को सल्फेट फ्री और फ्रेग्रेंस फ्री फेस वॉश अपनाना चाहिए। एलोवेरा या कैमोमाइल (बबूना) वाले फेस वॉश का इस्तेमाल करना बेहतर रहता है। ऐसे फेस वॉश स्किन तो शांत रखते हैं और एलर्जी से बचाते हैं।

ड्राई स्किन

अगर आपकी रूखी त्वचा है तो गर्मियों में स्किन डिहाइड्रेट हो सकती है। ड्राई स्किन वालों को क्रीम बेस्ड फेस वॉश का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे फेस वॉश चुनें जिसमें हाइड्रेटिंग इंग्रीडिएंट्स जैसे ग्लिसरीन हो। ये स्किन को मॉइस्चराइज रखते हैं और रूखापन कम करते हैं।

कॉम्बिनेशन स्किन

ऐसे स्किन वालों के चेहरे में टी जोन ऑयली होता है और बाकी हिस्सा ड्राई होता है। अगर आपकी भी इस तरह की मिश्रित त्वचा है तो माइल्ड जेल बेस्ड फेस वॉश से चेहरा धोना चाहिए। कॉम्बिनेशन स्किन के लिए बैलेंसिंग फार्मूला वाले प्रोडक्ट बेहतर विकल्प हो सकते हैं। ऐसे फेस वॉश ऑयल और ड्राईनेस दोनों को बैलेंस करते हैं।

ऑयली स्किन

गर्मियों में ऑयली स्किन वालों को ज्यादा पसीना और ऑयल की समस्या होती है। इसलिए ऑयली स्किन के लिए सबसे अच्छे फेसवॉश वे होते हैं जो त्वचा का प्राकृतिक मॉइस्चर छीने बिना अतिरिक्त तेल (सीबम) और गंदगी को साफ करते हैं। आर्यली स्किन वालों के लिए जेल बेस्ड या फॉमिंग फेस वॉश बेस्ट होते हैं। फेस वॉश का चयन करते समय देखें कि वह सैलिसिलिक एसिड युक्त फेसवॉश हो। ये फेसवॉश मुहांसे, ब्लैकहेड्स, वाइटहेड्स और त्वचा की डेड स्किन हाटने में अत्यधिक प्रभावी होते हैं। ये फेसवॉश एक्स्ट्रा ऑयल हटाता है और पिंपल्स से बचाता है। ऑयली और एक्ने-प्रोन स्किन के लिए सैलिसिलिक एसिड, नियासिनामाइड और जिंक से भरपूर जेल या फोम-बेस्ड क्लींजर सबसे प्रभावी माने जाते हैं।

का अपनी स्किन के हिसाब से करें चुनाव

गर्मियों में स्किन टाइप के अनुसार फेस वॉश चुनना बेहद जरूरी है। ऑयली स्किन के लिए जेल बेस्ड, ड्राई स्किन के लिए क्रीम बेस्ड और सेंसिटिव स्किन के लिए माइल्ड व सल्फेट-फ्री फेस वॉश सबसे बेहतर रहते हैं। गर्मियों के मौसम में त्वचा से जुड़ी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। जैसे पसीना, ऑयल, पिंपल्स और डलनेस। ऐसे में सही फेस वॉश का चुनाव आपकी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। हर किसी की स्किन अलग होती है, इसलिए एक ही फेस वॉश सभी पर सूट नहीं करता। गर्मियों में सही फेस वॉश का चुनाव आपकी स्किन को पसीने, ऑयल और पिंपल्स से बचा सकता है। अपनी स्किन टाइप को समझकर सही प्रोडक्ट चुनें और पाएं हेल्दी, फ्रेश और ग्लोइंग स्किन। सिर्फ सही फेस वॉश नहीं, बल्कि गर्मियों में सही तरीके से फेस वॉश करना भी जरूरी है। ध्यान रखें कि इस मौसम में दिन में 2 बार फेस वॉश करें। बहुत ज्यादा फेस वॉश करने से बचें। ठंडे पानी से चेहरा धोएं और स्किन टाइप के अनुसार प्रोडक्ट बदलें।

हंसना मना है

पति अपनी पत्नी से: मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी: ठीक है कुछ देर बाद। पति: मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी: नहीं अभी नहीं पति: क्यों? पत्नी: अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

फादर: अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर: आपका रिजल्ट कैसा है? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पर लिखा था, कृपया शोर ना करे, किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नहीं? जरूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबैंड बोला: आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबैंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते हैं मैं आपसे प्यार नहीं करती।

कहानी | मन की शांति कैसे प्राप्त करें?

सेठ अमीरचंद के पास अपार धन दौलत थी। उसे हर तरह का आराम था, लेकिन उसके मन को शांति नहीं मिल पाती थी। हर पल उसे कोई न कोई चिंता परेशान किये रहती थी। एक दिन वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसकी नजर एक आश्रम पर पड़ी। वहां उसे किसी साधु के प्रवचनों की आवाज सुनाई दी। उस आवाज से प्रभावित होकर अमीरचंद आश्रम के अन्दर गया और बैठ गया। प्रवचन समाप्त होने पर सभी व्यक्ति अपने अपने घर को चले गये। लेकिन वह वहीं बैठा रहा। उसे देखकर संत बोले- कहो, तुम्हारे मन में क्या जिज्ञासा है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। इस पर अमीरचंद बोला- बाबा, मेरे जीवन में शांति नहीं है। यह सुनकर संत बोले- घबराओ नहीं तुम्हारे मन की सारी अशांति अभी दूर हो जायेगी। तुम आंखे बन्द करके ध्यान की मुद्रा में बैठो। संत की बात सुनकर ज्यों ही अमीरचंद ध्यान की मुद्रा में बैठा त्यों ही उसके मन में इधर-उधर की बातें घूमने लगीं और उसका ध्यान उचट गया। सेठ बोला- चलो, जरा आश्रम का एक चक्कर लगाते हैं। इसके बाद वे आश्रम में घूमने लगे। अमीर चंद ने एक सुंदर वृक्ष देखा तथा उसे हाथ से छुआ। हाथ लगाते ही उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया और सेठ बुरी तरह चिल्लाने लगे। यह देखकर संत वापस अपनी कुटिया में आए। कटे हुए हिस्से पर लेप लगाया। कुछ देर बाद वह सेठ से बोले- तुम्हारे हाथ में जरा-सा कांटा चुभा तो तुम बेहाल हो गए। सोचो कि जब तुम्हारे अन्दर ईर्ष्या, क्रोध व लोभ जैसे बड़े-बड़े कांटे छिपे हैं, तो तुम्हारा मन भला शांत कैसे हो सकता है ? संत की बात से सेठ अमीरचंद को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह संतुष्ट होकर वहां से चला गया। उसके बाद सेठ अमीरचंद ने कभी भी ईर्ष्या नहीं की, क्रोध का भी त्याग कर दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कार्यक्षेत्र में नए अधिकार मिल सकते हैं। अधिकारियों से सराहना मिलेगी। कारोबारी हैं तो व्यापार में नए सौदे फाइनल होने के योग हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।

वृषभ दफ्तर में सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाकर रखें, विवाद से बचें। कारोबारी हैं तो व्यावसायिक यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी। खानपान का ध्यान रखें।

मिथुन कार्यस्थल पर आपकी कार्यशैली की प्रशंसा होगी। नए अवसर प्राप्त होंगे। कारोबारी हैं तो पार्टनरशिप के कामों में बड़ा मुनाफा मिलने की संभावना है।

कर्क नौकरी में स्थान परिवर्तन या नई जिम्मेदारी के संकेत हैं। कारोबारी हैं तो मंद पड़े कारोबार में गति आएगी। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग और प्यार मिलेगा।

सिंह कार्यस्थल पर आपके नेतृत्व गुण की सराहना होगी। पदोन्नति के योग हैं। कारोबार में नए निवेश के लिए दिन बहुत अनुकूल है। लव पार्टनर के साथ रोमांटिक समय बिताएंगे।

कन्या कार्यस्थल पर काम का दबाव अधिक रहेगा, धैर्य से काम लें। कारोबार में पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें। प्रेम रिश्तों में ईमानदारी रखें। पार्टनर की बात सुनें।

तुला कार्यक्षेत्र में टीम वर्क से बड़े लक्ष्य हासिल करने में सफलता मिलेगी। कारोबार में क्लाइंट्स के साथ महत्वपूर्ण बातचीत सफल रहेगी। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी।

वृश्चिक नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिलेगा। कारोबार में जोखिमभरे फैसलों से बचें। बाजार देखकर ही कदम उठाएं। सोच-समझकर खर्च करें।

धनु आपको कार्यक्षेत्र में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अटके हुए काम पूरे होंगे। कारोबार में विदेशी या बाहरी संपर्कों से अच्छा मुनाफा होगा। लव लाइफ खुशनुमा रहेगी।

मकर कार्यस्थल पर किसी से बेवजह न उलझें, अपने काम पर ध्यान दें। कारोबार में नए काम की शुरुआत के लिए थोड़ा इंतजार करना बेहतर रहेगा। फिजूलखर्ची पर रोक लगाएं।

कुम्भ कार्यस्थल पर सहकर्मियों का सहयोग रहेगा। नए प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। कारोबारी हैं तो व्यापार में विस्तार की योजनाएं सफल होंगी।

मीन कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का फल मिलेगा, वरिष्ठ अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में पुराने ग्राहकों से लाभ मिलेगा। व्यापारिक साख बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

अंतरराष्ट्रीय समुदाय विभिन्न तरीकों से नेपाल की मदद करे : मनीषा कोइराला

मनीषा कोइराला ने 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से एकजुट होने का आह्वान किया है। इस तबाही ने नेपाल-तिब्बत सीमा के पहाड़ी क्षेत्र को प्रभावित किया है। मनीषा ने ग्लोबल वार्मिंग को उन कारकों में से एक बताया जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने पड़ोसी देशों से जलवायु संबंधी आपदाओं के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। एएनआई द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में, अभिनेत्री ने कहा, हम ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर परिणामों का सामना कर रहे हैं। हमारा अगला कदम क्या होना चाहिए? मैं अनुरोध करती हूं कि हम, मनुष्य होने के नाते, अपने महान पड़ोसी देशों, चीन, भारत, नेपाल से आग्रह करती हूं कि हम सब मिलकर इस समस्या का समाधान करें और सामूहिक रूप से कुछ करें। हम एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। और इस तरह की स्थिति से बचने का प्रयास करें। मैं आशा और प्रार्थना करती हूं कि इस विकट क्षण को निरर्थक समझे बिना, हम बेहतर इंसान बनें। हम दूसरों की मदद उसी तरह करें जैसे हम अपनों की मदद करते हैं। मनीषा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नेपाल की विभिन्न तरीकों से मदद करने के लिए आगे आने का आग्रह किया, जिससे लोग यहां दौरा करने आएं और यहां का टूरिज्म बढ़े। बदले में स्थानीय लोगों की आजीविका को सहारा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, मैं सभी अंतरराष्ट्रीय समुदायों से अनुरोध करना चाहती हूं... मैं प्रार्थना करती हूं कि आपका प्यार और समर्थन जारी रहे। एक राष्ट्र के रूप में, हमें अपने देश में लोगों के आने की जरूरत है। हम नहीं चाहते कि हमें ओह, यह देश आपदाओं से भरा है के रूप में जाना जाए। हमें आप सभी की यात्रा की आवश्यकता है। हां, तिब्बत और नेपाल सीमा पर आपदा आई है। लेकिन पर्यटन एक जीवन रेखा है।

अजय देवगन ने फिल्म दृश्यम 3 के लिए चार्ज किए 18 करोड़

जिस फिल्म का लंबे वक्त से इंतजार हो रहा है, उसमें अजय देवगन की 'दृश्यम 3' भी शामिल है। पिक्चर का जब काम चल रहा था, तब कहा जा रहा था कि मोहनलाल की 'दृश्यम 3' से नुकसान हो सकता है। पर जैसे ही मलयालम फिल्म रिलीज हुई, तो वो टेंशन भी पूरी तरह खत्म हो गई। क्योंकि मोहनलाल की पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाई नहीं कर पाई थी। खैर, अब अजय देवगन अपनी फिल्म लाने की तैयारी में है, जिसके लिए एक्टर को तगड़ी फीस मिल रही है। पिछले दो फिल्मों को लीड करने के बाद अब एक्टर फिर से वापसी कर रहे हैं। इस बार पिक्चर में तबू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, रजत कपूर, प्रकाश राज शामिल है। ऐसी चर्चा है कि पिक्चर के लिए अजय देवगन ने 18 करोड़ चार्ज किए हैं।

हाल ही में अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' के टाइटल का खुलासा हुआ। ऐसी चर्चा है कि 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' के साथ ही यह फ्रेंचाइजी खत्म हो जाएगी। दर्शक तीसरी बार अजय को विजय सलगांवकर के रोल में देखेंगे। इसी बीच टाइम्स नाऊ पर एक रिपोर्ट छपी। जिससे पता लगा कि इस क्राइम थ्रिलर फिल्म में अपने रोल के लिए उन्हें 18 से 22 करोड़ रुपये मिले हैं। जो कि काफी ज्यादा है। वहीं, एक्टर के साथ नंदिनी सलगांवकर का किरदार भी लौटा है, जिस रोल को श्रिया सरन कर रही हैं। विजय सलगांवकर की पत्नी नंदिनी सलगांवकर का किरदार निभा रहीं श्रिया सरन का भी फिल्म से लुक सामने आ चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस को इस रोल के लिए 1 करोड़ से 1.5 करोड़ रुपये की फीस मिली है। जबकि, इशिता दत्ता अजय और श्रिया की ऑन-स्क्रीन बेटी अंजू सलगांवकर का किरदार निभाती दिखेंगी। जिन्होंने पहले दो पार्ट्स में भी सबको अपने परफॉर्मेंस से इम्प्रेस किया है। इस फ्रेंचाइजी के पहले पार्ट से ही जुड़ी इस एक्ट्रेस ने 50 लाख से 80 लाख रुपये लिए हैं। रजत कपूर भी 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' में महेश देशमुख का किरदार निभाते दिखेंगे। चर्चा है कि उन्होंने 40 लाख से 70 लाख रुपये इस पिक्चर के लिए चार्ज किए हैं। दरअसल प्रकाश राज भी 'दृश्यम 3' का अहम हिस्सा हैं। एक्टर इस बार इंद्रजीत शेट्टी का किरदार निभा रहे हैं। इस बार राजवीर सिंह तोमर के किरदार में जयदीप अहलावत दिखने वाले हैं। फिलहाल बाकी एक्टर्स की फीस का खुलासा हो गया है, प्रकाश राज और जयदीप भी करोड़ों वसूल रहे हैं। पर आंकड़ों के बारे में पता नहीं लग पाया है।

राका में अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका-रश्मिका समेत होंगी 7 हसीनाएं!

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और जवान के डायरेक्टर एटली की जोड़ी जल्द ही एक बड़े बजट की साई-फाई एक्शन ड्रामा फिल्म राका के लिए साथ आ रही है। इस मचअवेटेड फिल्म को लेकर अब तक की सबसे बड़ी और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। जिसके मुताबिक अल्लू अर्जुन इस फिल्म में एक-दो नहीं बल्कि तीन अलग-अलग अवतारों में दर्शकों के सामने होंगे।

वहीं दूसरी तरफ, फिल्म में फीमेल लीड्स को लेकर भी जबरदस्त हलचल है। जैसे यश की फिल्म टॉक्सिक में पांच एक्ट्रेसेस थी, ठीक वैसे ही राका में अल्लू अर्जुन के साथ करीब सात हसीनाओं की फौज नजर आने वाली है, जिसमें दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना और जाह्नवी कपूर जैसी बड़ी स्टार्स शामिल हैं।

मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू अर्जुन इस साई-फाई ड्रामा में पहली बार ट्रिपल रोल निभाते दिखेंगे। फिल्म में उनका एक किरदार एक दिव्य योद्धा का होगा, तो वहीं दूसरा किरदार थोड़े नेगेटिव और ग्रे शेड्स वाला होगा। उनके तीसरे रोल को लेकर फिलहाल सस्पेंस बनाए रखा गया है। पुष्पा के बाद अल्लू अर्जुन का यह अवतार उनके फैंस के लिए एक बहुत बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है।

फिल्म में एक्ट्रेसेस की भूमिकाएं भी काफी दिलचस्प रखी गई हैं। दीपिका पादुकोण इसमें पौराणिक वैदिक काल की एक गर्भवती महिला का किरदार निभा रही हैं और बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी भी कर ली है। वहीं रश्मिका मंदाना, दीपिका के किरदार की रक्षक (प्रोटेक्टर) के रूप में दिखाई देंगी, जो उनकी जान बचाने की जंग में अहम भूमिका निभाती हैं। अपनी हिप इंजरी के बावजूद रश्मिका इस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अल्लू अर्जुन के साथ इस फिल्म में जाह्नवी कपूर एक आदिवासी लड़की के लुक में नजर आएंगी, जबकि मलयालम एक्ट्रेस ऐश्वर्या लक्ष्मी का किरदार भी थोड़ा ग्रे और सस्पेंस से भरा बताया जा रहा है। राका की कहानी तीन अलग-अलग टाइमलाइन पर बुनी गई है, जिसमें दर्शकों को खतरनाक जंगली जानवर, अनोखे जीव और कई अलग-अलग प्रजातियां देखने को मिलेंगी।

अजब-गजब | दुनिया में है सबसे अनोखा मिल्क!

यहां गाय-बकरी नहीं, बारहसिंघा का दूध पीते हैं लोग

मंगोलिया की ठंडी और कठिन जलवायु में जीवन आसान नहीं है। उत्तर के टैगा क्षेत्रों में तापमान बहुत कम हो जाता है और संसाधन सीमित रहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में एक खास समुदाय रहता है जो गाय-भैंस या बकरी के बजाय रेनडियर पालता है। हिंदी में इसे कभी-कभी बारहसिंघा कह दिया जाता है हालांकि वैज्ञानिक रूप से यह रेनडियर (रंगिफर टारंडस) है।

इन लोगों को दुखा या त्सातान कहा जाता है। वे रेनडियर का दूध निकालकर पीते हैं और इसे दुनिया के अनोखे मिल्क्स में गिना जाता है। दुखा समुदाय मंगोलिया के खोव्सगोल प्रांत के जंगली और पहाड़ी इलाकों में घुमंतू जीवन जीता है। वे रेनडियर को मुख्य रूप से दूध, परिवहन और ऊन के लिए पालते हैं। दूध निकालना महिलाओं का काम होता है। सुबह बछड़ों को बांध दिया जाता है ताकि मां का दूध जमा हो। दोपहर बाद दूध दुहा जाता है। बचे हुए दूध को बछड़ों के लिए छोड़ दिया जाता है।

रेनडियर का दूध गाढ़ा, पौष्टिक और खास स्वाद वाला होता है। इसमें फैट और प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है जो ठंडे मौसम में ऊर्जा प्रदान करती है। लोग इसे चाय में मिलाकर पीते हैं, दही, पनीर और यहां तक कि ब्रेड भी बनाते हैं। रेनडियर मिल्क ब्रेड इस समुदाय की खास पहचान है। दूध को नदी के ठंडे पानी में रखकर सुरक्षित रखा जाता है। मांस की बात करें तो दुखा लोग रेनडियर को आसानी से नहीं मारते। वे इसे परिवार का हिस्सा मानते हैं। मांस तभी खाया जाता है जब जानवर स्वाभाविक रूप से मर जाए। आहार मुख्य रूप से दूध उत्पादों, जंगली शिकार और अन्य उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करता है। रेनडियर पर सवारी भी की जाती है और सामान ढोने के काम आता है।

यह जीवनशैली बेहद कठिन है। सर्दी में तापमान माइनस में चला जाता है। भेड़ियों से सुरक्षा, चारे की व्यवस्था और आधुनिक सुविधाओं से दूरी चुनौतियां पैदा करती है। फिर भी समुदाय अपनी परंपराओं को बचाए रखने की कोशिश कर रहा है। युवा पीढ़ी को दूध दुहने और डेयरी उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि ज्ञान आगे बढ़े। रेनडियर मिल्क को अनोखा इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह आम डेयरी जानवरों से अलग प्रजाति का है और बहुत कम जगहों पर ही उपलब्ध होता है। पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण यह ठंडे इलाकों में जीवनयापन के लिए आदर्श है। स्वाद और बनावट भी गाय के दूध से भिन्न होती है। मंगोलिया में अन्य जानवरों जैसे घोड़ा, ऊंट, याक, भेड़-बकरी का दूध भी पिया जाता है लेकिन रेनडियर मिल्क दुखा समुदाय तक सीमित है। यह उनकी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है।

कुतुबमीनार से भी ज्यादा गहराई! धरती के नीचे बने हैं दुनिया के ये सबसे गहरे मेट्रो स्टेशन

दुनिया में मेट्रो का सफर आमतौर पर शहर की भीड़ और ट्रैफिक से बचने का आसान तरीका माना जाता है। लेकिन कुछ जगहों पर मेट्रो स्टेशन जमीन के नीचे इतनी गहराई में बनाए गए हैं कि वहां पहुंचना किसी सफर से कम नहीं लगता। इन स्टेशनों की गहराई कई बड़ी इमारतों की ऊंचाई को भी पीछे छोड़ देती है। इनमें चीन, यूक्रेन और उत्तर कोरिया के कुछ स्टेशन खास तौर पर चर्चा में रहते हैं। चीन के चोंगकिंग शहर का होंगयानकुन स्टेशन दुनिया के सबसे गहरे मेट्रो स्टेशनों में सबसे ऊपर आता है। इसकी गहराई करीब 116 मीटर बताई जाती है, जबकि यात्रियों के खड़े होने वाला प्लेटफॉर्म सतह से लगभग 106 मीटर नीचे है। चोंगकिंग का पहाड़ी इलाका इस स्टेशन की गहराई की बड़ी वजह है। यहां जमीन का स्तर कई जगह काफी ऊंचा-नीचा है, इसलिए मेट्रो लाइन को शहर के नीचे काफी गहराई में ले जाना पड़ा। स्टेशन की ऊंचाई में लगभग 141 मीटर तक का अंतर भी इसे इंजीनियरिंग की अनोखी मिसाल बनाता है। कीव का आर्सेनलना स्टेशन करीब 105.5 मीटर नीचे स्थित है। कई सालों तक इसे दुनिया का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन माना जाता था। स्टेशन तक पहुंचने के लिए यात्रियों को लंबे एस्केलेटर से नीचे जाना पड़ता है। इसकी गहराई का संबंध कीव के ऊंचे भू-भाग और नीपर नदी के आसपास की भौगोलिक स्थिति से है। उत्तर कोरिया की प्योंगयांग मेट्रो भी दुनिया की सबसे गहरी परिवहन प्रणालियों में शामिल है। इसके ट्रैक की गहराई 110 मीटर से ज्यादा बताई जाती है। इसकी कई स्टेशन संरचनाएं इतनी गहरी हैं कि इन्हें जरूरत पड़ने पर सुरक्षा और आश्रय के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कीव का झोलोती वोरोता स्टेशन करीब 96.5 मीटर की गहराई पर है। गहराई के अलावा इसकी खूबसूरत सजावट भी लोगों का ध्यान खींचती है। स्टेशन के अंदर कीवियन रूस के इतिहास और संस्कृति से प्रेरित कई मोजाइक देखने को मिलते हैं। चोंगकिंग का होंगतूदी स्टेशन भी दुनिया के गहरे मेट्रो स्टेशनों में शामिल है और इसकी गहराई करीब 94 मीटर से ज्यादा बताई जाती है। यह स्टेशन शहर की जटिल पहाड़ी भौगोलिक संरचना के बीच बनाया गया है। इन स्टेशनों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आधुनिक मेट्रो सिर्फ जमीन के ऊपर ट्रैक बिछाने का काम नहीं है। कहीं पहाड़ों और नदियों की वजह से, तो कहीं शहर की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इंजीनियरों को धरती के कई मीटर नीचे जाकर सुरंगें और स्टेशन बनाने पड़े। यही वजह है कि दुनिया के ये गहरे मेट्रो स्टेशन आज परिवहन के साथ-साथ इंजीनियरिंग के शानदार उदाहरण भी माने जाते हैं।

एसआईआर पर दिल्ली में फिर एकबार रार

आप ने चुनाव आयोग को घेरा

» केजरीवाल बोले- ऐसे तो आबादी घटा देगा आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर सवाल उठाए, क्योंकि दिल्ली की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 47 लाख से ज़्यादा वोटरों के नाम गायब थे। ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि लगभग 1.5 करोड़ वोटरों में से 47 लाख नाम लिस्ट में नहीं हैं। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को आबादी बढ़ने की चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि एसआईआर प्रक्रिया देश की आबादी को 140 करोड़ से घटाकर 50 करोड़ कर सकती है। केजरीवाल का यह बयान दिल्ली की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) के सामने आने के बाद आया है, जिसमें पता चला कि 1,45,10,299 रजिस्टर्ड वोटरों में से 47,56,722 वोटर लिस्ट में शामिल नहीं थे। इस ड्राफ्ट लिस्ट में दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों के कुल 97,53,577 वोटर शामिल हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के तहत, जिसमें घर-घर जाकर वेरिफिकेशन किया गया, दिल्ली के लगभग 67.18 प्रतिशत वोटरों के लिए एन्यूमरेशन फ़ॉर्म (जानकारी जुटाने वाले फ़ॉर्म) मिले और उन्हें डिजिटाइज़ किया गया। यह प्रक्रिया 30 जून को शुरू हुई और 17 अगस्त को खत्म हुई। चुनाव आयोग ने बाकी बचे वोटरों को एसडीडीओ कैटेगरी में अनकलेक्टेबल (जिनका पता न चल सके) माना है। इस कैटेगरी में वे वोटर आते हैं जिन्हें अनुपस्थित, दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके, मृत, डुप्लीकेट या दूसरी कैटेगरी में रखा गया है। अधिकारियों के मुताबिक, जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसएसआर (स्पेशल समरी रिविजन) किया गया है, उनमें दिल्ली में नाम हटाने का प्रतिशत सबसे ज़्यादा रहा है; यहाँ ड्राफ्ट स्टेज पर ही लगभग 33 प्रतिशत वोटर लिस्ट से हटा दिए गए। अगर कुल संख्या की बात करें, तो 47 लाख से ज़्यादा नाम हटाना भी सबसे ज़्यादा मामलों में से एक है। चुनाव अधिकारी ने नामों के बड़ी संख्या में हटाए जाने की एक वजह दिल्ली की बड़ी फ्लोटिंग आबादी (आने-जाने वाली आबादी) को बताया; हो सकता है कि इसी वजह से वेरिफिकेशन के दौरान बड़ी संख्या में वोटरों को शिफ्टेड (दूसरी जगह चले गए) या अनअवेलेबल (मौजूद नहीं) मार्क किया गया हो। दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटाइज़ेशन का स्तर अलग-अलग था। रोहिणी में यह दर सबसे ज़्यादा 83.43 प्रतिशत रही, जबकि तुगलकाबाद में सबसे कम 52.15 प्रतिशत थी।

गहरी हताशा और निराशा की वजह हुआ गाली-गलौज : सैम पित्रोदा

» पीएम के खिलाफ अभद्र भाषा पर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन बचाव में उतरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

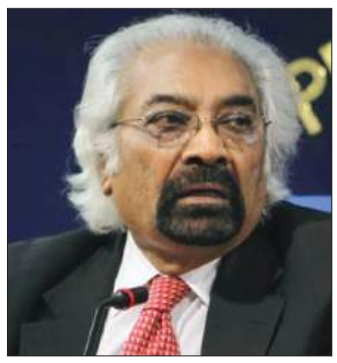

नई दिल्ली। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने दिल्ली में हाल ही में हुए सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले युवा प्रदर्शनकारियों का खुलकर बचाव किया है। पित्रोदा ने कहा कि भले ही युवाओं की भाषा आपत्तिजनक लगे, लेकिन इसे उनकी गहरी हताशा और निराशा के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। आपको इसे छात्रों के नजरिए से देखना होगा। बेशक, प्रधानमंत्री का नजरिया एक विशेषाधिकार है। मैं उसे कम नहीं आंक रहा हूं। मैं प्रधानमंत्री का अपमान नहीं करना चाहता क्योंकि वह देश के प्रधानमंत्री हैं।

लेकिन अगर कोई अपमान करता है और ऐसी बातें कहता है, तो वह सचमुच बहुत परेशान होगा। लोग ये चीजें फैशन के लिए नहीं करते। वे निराशा में ऐसा करते हैं। उन्होंने आगे कहा, गाली-गलौज ठीक है, ये हमारे बच्चे हैं। अब कहीं-कहीं थोड़ी-बहुत गाली-गलौज हो सकती है। मुझे यह पसंद नहीं है, लेकिन यह ठीक है। ये हमारे बच्चे हैं। अमेरिका में रहने वाले टेक्नोक्रे ट नेता ने अपने एक लेख का उदाहरण देते हुए कहा कि युवा थोड़ी कीचड़ उछाल सकते हैं, लेकिन अहम बात उनकी बात सुनना है। उन्होंने कहा, मैंने अखबार में भारत में मॉनसून के मौसम के बारे में एक लेख लिखा था। यह भारतीय मॉनसून है जहां भारी बारिश हो रही है, और यह अपने साथ कुछ कीचड़ भी लाएगा - यही वह रूपक है। युवा थोड़ी कीचड़ उछाल सकते हैं, जो ठीक है, पूरी तरह से स्वीकार्य है, आप जानते हैं, लेकिन हमें उनकी बात सुननी होगी क्योंकि उनका भविष्य दांव पर है।

वैभव नौ महीने में सात बार हुए नर्वस नाइंटीज के शिकार

» दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बने बल्लेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से रन तो लगातार निकल रहे हैं, लेकिन शतक उनसे जैसे रूठा हुआ है। दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए 15 साल के वैभव एक बार फिर शतक से चूक गए। सेंट्रल जोन के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 81 गेंद में 92 रन की तेजतर्रार पारी खेली, लेकिन छह रन और बनाते तो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा कर लेते।

यह पिछले नौ महीनों में सातवां मौका है, जब वैभव नर्वस-90s में आउट हुए हैं। इनमें ज्यादातर मौकों पर उन्होंने आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवाया है। यह दिखाता है कि वह टीम के लिए जी जान लगा देते हैं और पर्सनल इंटरेस्ट या माइलस्टोन को बीच में नहीं आने देते।

सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए थे। इसके जवाब में ईस्ट जोन को वैभव और अभिमन्यु ईश्वरन ने तेज शुरुआत दिलाई। वैभव ने 42 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ उन्होंने दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में 50 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड लक्ष्मण सिंह के नाम था, जिन्होंने 1968-69 में 16 साल 23 दिन की उम्र में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए अर्धशतक लगाया था। वैभव ने अपनी पारी में सात चौके और सात छक्के लगाए। वह शुरुआत से ही सेंट्रल जोन के गेंदबाजों पर दबाव बनाते रहे। हालांकि, 92 रन के स्कोर पर हर्ष दुबे की गेंद को छक्के के लिए भेजने की कोशिश में वह आउट हो गए। वैभव की यह आदत नई नहीं है। 90 के दशक में पहुंचने के बाद भी वह अपना आक्रामक अंदाज नहीं छोड़ते। यही वजह है कि पिछले कुछ महीनों में कई बार वह शतक से कुछ रन पहले अपना विकेट गंवा चुके हैं।

हार के बाद पाक में हाहाकार, पीसीबी ने की उच्चस्तरीय बैठक

कराची। इंग्लैंड दौरे पर लगातार दो टेस्ट मैचों में करारी हार झेलने वाला पाकिस्तान अब विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और इमाम उल हक को दौरे के बीच से ही स्वदेश वापस बुला सकता है। डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर मौजूद पाकिस्तान को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड से पारी और 103 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 194 रन से शिकस्त दी। बैठक में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सुमैर अहमद, पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलमान नसीर, पूर्व क्रिकेटर और वरिष्ठ चयनकर्ता आकिब जावेद तथा सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन शामिल हुए।

ईडी-सीबीआई ने 4 साल तक किया प्रताड़ित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की प्रमुख के. कविता अपने खिलाफ दिल्ली आबकारी नीति मामले का जिक्र करते हुए भावुक हो गईं और उन्होंने आरोप लगाया कि कोई गलत काम नहीं करने के बावजूद उन्हें परेशान किया गया। कविता को इस मामले में 24 में जेल जाना पड़ा था। कविता ने तेलंगाना के निजामाबाद में सोमवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें उनके पिता के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से बाहर कर दिया गया। कविता इससे पहले निजामाबाद से लोकसभा सदस्य रह चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से वह सांसद एवं विधान परिषद सदस्य चुनी गईं और उन्हें सत्ता की लालसा नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे दिल्ली की तिहाड़ जेल में क्यों डाला गया? मुझे तिहाड़ जेल में डाला गया, लेकिन मैंने हिम्मत नहीं हारी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मुझे चार साल तक परेशान किया लेकिन मैंने हर बार कहा कि मैंने कोई गलती नहीं की है। कविता ने दावा किया कि अदालत ने कहा है कि जिस मामले में उन पर आरोप लगे थे उसकी जांच करने वाले अधिकारी के खिलाफ जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह एकमात्र ऐसा मामला है जिसमें अदालत ने इस तरह की टिप्पणी की है। कविता ने आम लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए समर्पित ''बहुजन तेलंगाना'' बनाने की वकालत की। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पिता के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार के दौरान निर्मित कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना पर एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद निजामाबाद में एक एकड़ जमीन को भी पानी नहीं मिला। कविता ने अपने 'पंचजन्यम' वादे का भी जिक्र किया जिसमें मुफ्त शिक्षा, मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं किसान कल्याण, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और सामाजिक न्याय शामिल हैं।

» टीआरएस की प्रमुख का आबकारी नीति केस पर छलका दर्द

टीवीके और कांग्रेस में मतभेद की खबरें अफवाह : कथबर्ट

» सीएम विजय ने राहुल गांधी को माना पीएम उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। मिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी टीवीके (तमिलगा वेत्री कझगम) और कांग्रेस के बीच गठबंधन में मतभेद की अटकलों पर विराम लग गया है। कांग्रेस विधायक दल की नेता ताराहाई कथबर्ट ने स्पष्ट किया है कि टीवीके के प्रमुख और राज्य के मुख्यमंत्री विजय ने इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी का समर्थन किया है।

हाल ही में मूड ऑफ द नेशन सर्वे में विजय को पीएम पद की पसंद में तीसरा स्थान मिलने के बाद टीवीके समर्थकों के उत्साह में कुछ बातें सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बातें कार्यकर्ताओं का उत्साह थीं, पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं।

ढाई साल में राजस्थान की जनता ऊबी

» पायलट बोले- निकाय चुनाव में कांग्रेस का बोर्ड तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाड़मेर। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव का माहौल गरमाने के बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मंगलवार को एक दिवसीय बाड़मेर दौरे पर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। पायलट धोरीमन्ना में आयोजित स्वर्गीय किसान नेता गोरधनराम की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नगर निकाय चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों से मुलाकात की और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

पायलट ने दावा किया कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के ढाई साल के कार्यकाल से ऊब चुकी है और आने वाले निकाय चुनाव में कांग्रेस को समर्थन देने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी और तमाम निकायों में पार्टी के बोर्ड बनाएगी। बाड़मेर पहुंचने के बाद सचिन पायलट सबसे पहले जिला मुख्यालय स्थित वीरेंद्र धाम छात्रावास पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी के दिवंगत बेटे वीरेंद्र चौधरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पायलट ने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने हेमाराम चौधरी की बेटी सुनीता चौधरी से राखी भी बंधवाई। इसके बाद सचिन पायलट कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पहुंचे।

भाजपा ना बाबा ना, अब सिर्फ हाथी, सिर्फ बहन जी

क्षितिजकांत

बेबाक बोल जनता खोल रही पोल

सहारनपुर सिटी विस की ग्राउंड रिपोर्ट

» बहुजन बाहुल्य जगरौली गांव बोला- छुआछूत, खाद के लिए लाइन में मर रहा किसान

» ग्राउंड रिपोर्ट जगरौली गांव, रामपुर मनिहारान विधानसभा, सहारनपुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। सहारनपुर के रामपुर मनिहारान विधानसभा का बहुजन बाहुल्य गांव जगरौली... जहां भाजपा को 27 से पहले ही बैन कर दिया गया है। हमारे संवाददाता गांव पहुंचे तो 5 अलग-अलग लोगों ने भाजपा पर जमकर गुस्सें बम फोड़ डाले।

देखा जाए तो जगरौली गांव में एक ही नारा है -फ्री राशन नहीं, काम चाहिए... जुमला नहीं, बहन जी का राज चाहिए। रामपुर मनिहारान में भाजपा विधायक की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

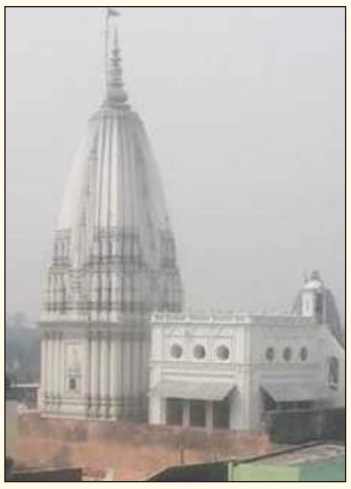

पहला बम - विधायक वोट लेकर फरार

पहले व्यक्ति ने कहा -बहन जी की सरकार के बाद हमारे क्षेत्र में एक ईंट भी नहीं लगी। भाजपा का विधायक वोट लेकर फरार है, 5 साल से शक्ल नहीं दिखाई। ना सड़क बनी ना विकास हुआ। हम बहुजन हैं, हम 2027 में सिर्फ बहन जी को वोट देंगे और बहन जी को ही मुख्यमंत्री बनायेंगे।

दूसरा बम - दलित महिला ने लौटाया फ्री राशन

गांव की दलित महिला ने सबसे आक्रामक हमला बोला और कहा हमें तो सिर्फ कमा के खाना है। हमसे सिर्फ वोट लिया जाता है, सरकार कुछ नहीं देती। जो सरकार फ्री वाला राशन दे रही है वो उठा ले जाए, हमें नहीं चाहिए। जितना राशन देती है वो हमारे घर का आदमी तीन टाइम में खा जाता है। महंगाई पर बोली - दाल महंगी, तेल महंगा, चीनी महंगी, गरीब क्या खाएगा? नेता सिर्फ चुनाव में वादे करते हैं। हम भाजपा के नेता को गांव से बाहर निकाल देंगे। हम सिर्फ मायावती को पसंद करते हैं।

रामपुर मनिहारान (क्रम संख्या 6) उत्तर प्रदेश के

सहारनपुर जिले की एक प्रमुख विधानसभा सीट है। यह सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। यह सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। देवेंद्र कुमार निम भारतीय जनता पार्टी - यहाँ के वर्तमान विधायक हैं, जिन्होंने 22 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। यह सहारनपुर जिले का हिस्सा है और सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र के पांच विधानसभा क्षेत्रों में से एक है । इस विधानसभा क्षेत्र में पहला विधानसभा चुनाव 2012 में आयोजित किया गया था, जब यह निर्वाचन क्षेत्र 2008 में संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदेश, 2008 के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आया था। 12 में रविंदर कुमार मोलहू बहुजन समाज पार्टी से व 17 में देवेंद्र कुमार निमभारतीय जनता पार्टी से एमएलए बने थे।

तीसरा बम - राम मंदिर तक लूट लिया तो हमारा क्या करेंगे

तीसरे व्यक्ति ने भाजपा के सबसे बड़े मुद्दे पर ही हमला बोल दिया कहा हमारा कोई लाभ नहीं हुआ। जो राम मंदिर लूट लिया तो हमारा क्या करेंगे। राम मंदिर की लूट 27 के चुनाव के लिए बहुत बड़ा मुद्दा है। हम बीजेपी का बिल्कुल भी साथ नहीं देंगे।

चौथा बम -भाजपा राज में सिर्फ अत्याचार, मर्डर, छुआछूत

चौथे व्यक्ति ने कानून व्यवस्था की चीर-फाड़ कर दी। भाजपा कुछ नहीं कर रही, भाजपा सिर्फ अत्याचार करवा रही है। कहीं मर्डर हो रहे हैं, क्राइम बड़ा है। बहुजनों का उत्पीड़न हो रहा है, लाठीचार्ज करवाई जा रही है। पुलिस कोई सुनवाई नहीं करती, एससी समाज की कहीं सुनवाई नहीं होती। ऊंच-नीच आज भी है, बहुजन समाज के साथ छुआछूत बड़े स्तर पर बनी हुई है।

पांचवां बम- मजदूर-किसान भी खफा बहन जी के बाद कोई झांकने नहीं आया

पांचवें व्यक्ति ने किसान-मजदूर का दर्द बताया -हमें सरकार से कोई लाभ नहीं मिला। हम हरिजन हैं, हमें बहन जी पसंद है। हमारे गांव में पक्की सड़क, बिजली के खंभे, पक्के मकान बहन जी की सरकार में ही बने थे, उसके बाद से आज तक कोई झांकने तक नहीं आया। हम मजदूर हैं, हमारा कोई लाभ नहीं हुआ। किसान लाइन में लगता है उसे खाद नहीं मिलता, पूरा दिन लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। किंगर लग गया तो खाद मिलती है वरना वो भी नहीं।

प्राचीन और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

रामपुर मनिहारान विधानसभा क्षेत्र (सहारनपुर) का प्राचीन और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सहस्राब्दियों पुरानी सिंधु-सरस्वती और गंगा घाटी की संस्कृति से जुड़ी हुई है सहारनपुर जिला प्रशासन के पुरातात्विक अभिलेखों के अनुसार, पूरा सहारनपुर क्षेत्र तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व से मानव बसावट और कृषि गतिविधियों का केंद्र है।

वार्ड / क्षेत्र

रामपुर मनिहारान विधानसभा का विस्तार देवबंद तहसील के नागल, रामपुर और रामपुर मनिहारान एनपी है, सहारनपुर जिले के लंढौरा गुज्जर, चंदेना, कांकर कूई, सबदलपुर शिवदासपुर, छिद बाना, कपसा, लाखनौर, दबकी जुन्नारदार, हसनपुर भलस्वा, नल्हेड़ा गुज्जर, सहजवा, बीतिया, मल्हीपुर, चुनेहटी गढ़ा, मुबारकपुर और शेखपुरा कदीम ।

हड़प्पाकालीन साक्ष्य

इस क्षेत्र के पास अम्बखेड़ी, हुलास और बड़गांव जैसे प्रसिद्ध प्राचीन स्थलों से प्राक्हड़प्पा और हड़प्पा कालीन संस्कृति के प्रमाण मिले हैं। हालांकि रामपुर मनिहारान स्वयं एक आधुनिक राजनीतिक विधानसभा क्षेत्र है, लेकिन इसका भू-भाग उसी प्राचीन उपजाऊ ऊपरी दोआब का हिस्सा है जहाँ प्राचीन व्यापार और सभ्यताएं विकसित हुईं।

संस्कृति

इस भू-भाग में गेरुए रंग के मृद्भाण्ड और चित्रित धूसर मृद्भाण्ड संस्कृति के अवशेष मिले हैं, जो वैदिक और उत्तर-वैदिक काल में यहाँ निरंतर मानव जीवन की पुष्टि करते हैं।

दिल्ली आ रही इंडिगो फ्लाइट की गोवा में इमरजेंसी लैंडिंग

» इंजन में आ गई थी खराबी यात्रियों को सुरक्षित निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान 6श 2102 के एक इंजन में खराबी आने के बाद विमान में इमरजेंसी घोषित की गई। इस फ्लाइट को सुबह 11.45 बजे दिल्ली में उतरना था, लेकिन इसे गोवा के मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही सुरक्षित रूप से लैंड कराया गया।

इंडिगो की फ्लाइट 6ई21०2 ने सुबह 9.16 बजे गोवा से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एक इंजन में तकनीकी खराबी की रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसके बाद विमान को वापस गोवा की ओर मोड़ दिया गया। परिस्थितियों को देखते हुए एटीसी ने सुबह 9.3० बजे फुल इमरजेंसी

की घोषणा की। विमान सुबह 9.51 बजे रनवे 28 पर सुरक्षित रूप से उतरा और उसे स्टैंड 6 पर पार्क किया गया। लैंडिंग की पुष्टि के बाद एटीसी ने सुबह 1०.3० बजे फुल इमरजेंसी हटा ली। विमान लैंड होने के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल कर एयरपोर्ट के बोर्डिंग एरिया में लाया गया। एविएशन ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों के मुताबिक, विमान दक्षिण महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र से वापस गोवा की तरफ मुड़ा था। जिस समय विमान ने यू-टर्न लिया, उस वक्त यह लगभग 14000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में एक्शन इंस्पेक्टर और 6 एसआई को सस्पेंड, अब तक 11 लोगों की जान गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में आईजी रेंज प्रयागराज अजय मिश्र ने कार्रवाई की है। इस मामले में एक इंस्पेक्टर और 6 एसआई को सस्पेंड किया गया है।

वहीं कौशांबी एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने थाना प्रभारी पिपरी विकास सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है. चौकी प्रभारी चायल अमित द्विवेदी और पूर्व चौकी प्रभारी चायल मनीष पाल पर भी कार्रवाई हुई है। बता दें पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी में सोमवार सुबह करीब 11 बजे पटाखा फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हुआ था. हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं. घायलों का प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में इलाज

चल रहा है. यहधमाका इतना भीषण था कि आसपास के करीब आधा दर्जन मकान पूरी तरह जमींदोज हो गए, जबकि दर्जनभर से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं घटनास्थल पर राहत और बचाव के साथ मलबे में तलाशी का काम भी किया गया। बीट आरक्षी जितेंद्र कुमार और कृष्ण कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है. पुलिसकर्मियों पर पटाखा फैक्ट्री संचालन की सूचना दर्ज नहीं कराने और लापरवाही बरतने के आरोप में कार्रवाई की गई है। इस ब्लास्ट कांड के मुख्य आरोपी नौशाद को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है. पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी में सोमवार को पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके के बाद से मुख्य आरोपी नौशाद फरार था. पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नौशाद चरवा थाना क्षेत्र के तेरामिल के पास से भागने की फिराक में है. सूचना पर एसओजी और पुलिस टीम ने घेराबंदी की।

हरियाणा के एमपी एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

» ट्रक में घुसी तेज रफ्तार पिकअप, छह लोगों की हुई मौत, 14 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह करीब 5.3० बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी पिकअप सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं।

सभी घायलों को जिला नागरिक अस्पताल पलवल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसे में घायल श्रद्धालुओं के अनुसार, पिकअप में सवार सभी लोग धार्मिक यात्रा पर निकले थे। मंगलवार तड़के केएमपी एक्सप्रेसवे से गुजरते समय चालक की अचानक आंख लग गई। इसी दौरान अनियंत्रित हुई पिकअप सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई।

मैनपुरी से धार्मिक यात्रा पर निकले थे श्रद्धालु

जानकारी के अनुसार, सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के रहने वाले थे। वे शुक्रवार को धार्मिक यात्रा के लिए निकले थे। सोमवार शाम को राजस्थान के खाटू श्याम और सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन करने के बाद मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान मंगलवार सुबह पलवल में केएमपी एक्सप्रेसवे पर हादसा हो गया। हादसे में घायल सुनील, श्वेता यादव, बीरेश, उमेद, विनोद कुमार, सरला, रूबी, रामसेवक, रवि, वाणी, वीनू, तब्बू, रेखा और गोरा देवी का जिला नागरिक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब एक पिकअप वाहन केएमपी एक्सप्रेस-वे के किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही छह लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीजेपी ने 5 सितंबर का दिल्ली मार्च वापस लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पार्टी 5 सितंबर को निकाले जाने वाले मार्च के अपने आह्वान को वापस ले रही है।

उन्होंने ऐसा केंद्र सरकार के कोर्ट में दिए गए आश्वासन और उसके बाद कोर्ट द्वारा जारी किए जाने वाले आदेशों को ध्यान में रखते हुए किया है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा